AMAR UJALA MY CITY Page 5

दवा परीक्षण में नई तकनीक कारगर

लखनऊ। प्रो. माइकल टी रग्गिएरो वरमोंट, संयुक्त राज्य अमेरिका ने कहा है कि टेराहर्ट्ज स्पेक्ट्रोस्कोपी सबसे आधुनिक तकनीकों में से एक है, जो फोटो वोल्टिक लक्षण, वर्णन, दवा परीक्षण, सुरक्षा जांच, बायो मेडिकल, खगोल विज्ञान, तेल रिसाव लक्षण वर्णन, फार्मास्युटिकल और गुणवत्ता नियंत्रण आदि क्षेत्रों में एप्लिकेशन ढूंढती है। वे लखनऊ विश्वविद्यालय के भौतिकी विभाग द्वारा मंगलवार को आयोजित वेबिनार को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। 'बल्क मैटेरियल फंक्शन को समझने के लिए टेराहर्ट्ज कंपनेशनल स्पेक्ट्रोस्कोपी का उपयोग' विषयक वेबिनार में उन्होंने संचार, दवा लक्षण वर्णन, यांत्रिक माप और कई और अधिक के लिए टेराहर्ट्ज स्पेक्ट्रोस्कोपी के प्रयोग पर प्रकाश डाला। वेबिनार की संयोजक प्रो. पूनम टंडन ने अतिथि का परिचय दिया।

NBT Page 6

एलयू ने सम्बद्ध कॉलेजों को भेजा रिमाइंडर

ऑफलाइन फॉर्म जमा करवाया तो होगी सख्त कार्रवाई

■ एनबीटी, लखनऊः नवयुग कन्या महाविद्यालय और ममता पीजी कॉलेज में परीक्षा फॉर्म जमा करवाने का मामला सामने आने के बाद लखनऊ विश्वविद्यालय ने सख्ती की है। विवि प्रशासन ने सभी कॉलेजों को कोविड-19 की गाइडलाइंस का पालन करने का रिमाइंडर भेजा है। डीन सीडीसी प्रो. अवधेश त्रिपाठी का कहना है कि अगर इसके बाद भी कोई कॉलेज प्रशासन स्टूडेंट्स को परीक्षा फॉर्म भरवाने को बुलाता है तो उस पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। बता दें कि एलयू की ओर से सभी कॉलेजों को ऑनलाइन फॉर्म जमा करवाने के निर्देश दिए गए हैं। इसके बावजूद नवयुग कन्या महाविद्यालय और ममता पीजी कॉलेज प्रशासन ऑफलाइन फॉर्म जमा करवा रहे थे।

i-NEXT Page 4

छात्रों को कॉलेज में ना बुलाएं

फार्म बुलाए जाने के मामले के चलते उठाया कदम

lucknow@inext.co.in

LUCKNOW(16 June): लखनऊ यूनिवर्सिटी ने एक बार फिर से सभी कॉलेजों को स्टूडेंट्स को ना बुलाने के लिए रिमाइंडर भेजा है. राजधानी में कई कॉलेज में फार्म भरने के नाम पर स्टूडेंटस को बुलाया जा रहा था. इसी के चलते एलयू प्रशासन ने एक बार फिर से सभी कॉलेजों को रिमाइंडर भेज दिया है.

पहले ही ऑनलाइन की जा चुकी हैं सभी प्रक्रियाएं

कोविड 19 के संक्रमण को रोकने के लिए एलयू प्रशासन ने सभी प्रक्रिया ऑनलाइन कर दी थी. इसमें दाखिले से लेकर एग्जाम फार्म भरने तक की प्रक्रिया शामिल है. एलयू प्रशासन पहले भी इस मामले को लेकर पत्र भेज चुका था, लेकिन नवयुग गर्ल्स पीजी कॉलेज में लेटर मिलने के बाद भी स्टूडेंट्स को बुलाया गया. बाद में कॉलेज के अधिकारियों ने पत्र की जानकारी ना होने की बात कहकर पल्ला झाड़ लिया. इसके बाद यह मुमताज पीजी कॉलेज में भी स्टूडेंट्स को बुला लिया गया. यहां भी जानकारी ना होने की दलील ली गई. डीन सीडीसी प्रो. अवधेश त्रिपाठी ने बताया कि एक बार फिर से सभी को रिमाइंडर भेज दिया गया है. अब कोई कॉलेज प्रशासन स्टूडेंट्स को बुलाता है तो अब उस पर सख्त से सख्त कार्रवाई की जाएगी.

AMRIT VICHAR Page 2

विश्वविद्यालयों में नैक मूल्यांकन प्रक्रिया भी पिछड़ी

लखनऊ। विश्वविद्यालयों व महाविद्यालयों में नैक मूल्यांकन प्रक्रिया इस साल शुरू हो पाना बेहद मुश्किल है। संस्थानों में नैक की तैयारियां पहले से ही अधूरी थीं, ऊपर से कोविड-19 की मार से अब प्रक्रिया और पिछड़ गयी है। नैक मूल्यांकन में पिछली बार तो लखनऊ विश्वविद्यालय पिछड़ गया था लेकिन इस बार बीते अप्रैल माह में कुलपति प्रो. आलोक राय की ओर से राज्यपाल और कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल के सामने विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के मानक के अनुसार नैक मूल्यांकन के लिए तैयार मॉडल प्रस्तुत किया गया था। राज्यपाल ने इस मॉडल की सराहना की थी। इससे पहले 11 जनवरी को नैक मूल्यांकन के संबंध में राजभवन में हुई कुलपतियों की बैठक में सभी विश्वविद्यालयों के लिए आदर्श मॉडल तैयार करने की जिम्मेदारी लविवि को दी गई थी।